वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 211 | बुधवार 29 नवम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जेकेके में ध्रुवपद गायन प्रशिक्षण कार्यशाला की शुरूआत

विशेषज्ञ प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग सिखाएंगी गुर, 80 से अधिक प्रतिभागी ले रहे शास्त्रीय विधा का प्रशिक्षण

जयपुर. कासं। जवाहर कला केन्द्र के प्रयास कला संसार मधुरम के तहत आयोजित ध्रुवपद गायन प्रशिक्षण कार्यशाला की मंगलवार को शुरूआत हुई। यह 10 दिवसीय कार्यशाला 7 दिसंबर तक चलेगी। राजस्थान की पहली ध्रुवपद गायिका का गौरव रखने वाली विशेषज्ञ प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग 80 से अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दे रही है। केन्द्र की महानिदेशक गायत्री राठौड़, अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत और प्रशिक्षक डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने नटराज की मूर्ति पर माल्यार्पण कर कार्यशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर गायत्री राठौड़ ने कहा कि केन्द्र की ओर से आयोजित कार्यशालाओं के जरिए नई पीढ़ी तक कला विधाओं को पहुंचाकर भावी कलाकार तैयार किए जा रहे हैं। 16 से ज्यादा आयु वर्ग के प्रतिभागी इसमें हिस्सा ले रहे हैं यह युवाओं में शास्त्रीय विधा के प्रति रुझान को दर्शाता है। इसमें अधिक से अधिक कलाकार कार्यशाला में शामिल हो सकें, इसके लिए आवदेन जारी रखे गए हैं। राजस्थान की ध्रुवपद परंपरा के सबसे वरिष्ठ प्रतिनिधि ध्रुवपदाचार्य पंडित लक्ष्मण भट्ट तैलंग की शिष्य प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने बताया कि कार्यशाला में ध्रुवपद की विशिष्ट तालीम के साथ शास्त्रीय संगीत की बारीकियों के भी गुर बताए जाएंगे। उन्होंने कार्यशाला की शुरूआत परम्परानुसार आदि राग भैरव और उसके प्रकारों में ओंकार साधना से प्रारम्भ कर गणपति वैदिक स्तोत्र, गुरु वंदना एवं सरस्वती स्तोत्र से की।

राज्यपाल से रोल बॉल के खिलाड़ियों ने की मुलाकात

कलराज मिश्र बोले- खेलों से ही मानवीय मूल्यों और सामूहिक चेतना का विकास होता है

जयपुर. कासं

राज्यपाल कलराज मिश्र से मंगलवार को राजभवन में गोवा में आयोजित हुए रोल बॉल राष्ट्रीय खेलों में विजेता रहे राजस्थान के खिलाड़ियों से मुलाकात की। रोल बॉल फेडरेशन के अध्यक्ष और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी मनोहर कांत के नेतृत्व में मिले इन खिलाड़ियों में पुरुष टीम ने स्वर्ण और महिला टीम ने राष्ट्रीय खेलों में रजत पदक प्राप्त किया है। राज्यपाल मिश्र ने रोल बॉल में स्वर्ण और रजत पदक प्राप्त करने वाली पुरुष और महिला टीम के सदस्यों को बधाई देते हुए उनसे संवाद किया। उन्होंने कहा कि खेलों से ही मानवीय मूल्यों और सामूहिक चेतना का विकास होता है। उन्होंने कहा कि खेल जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण ही प्रदान नहीं करते बल्कि इनसे मानसिक तथा शारीरिक विकास भी होता है। उन्होंने रोल बॉल खेल के जरिए राजस्थान को विश्व-स्तर पर अग्रणी करने के लिए भी खिलाड़ियों का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख विशेषाधिकारी गोविन्द राम जायसवाल भी उपस्थित रहे।

सतीश पूनियां ने महंत अच्युतानंद महाराज की जानी कुशलक्षेम

भगवान से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की, अज्ञात व्यक्ति ने किया था कार पर पथराव

जयपुर. कासं। बेणेश्वर धाम के पीठाधीश्वर महंत अच्युतानंद महाराज की अहमदाबाद पहुंचकर राजस्थान विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष व भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां जी ने कुशलक्षेम जानी और भगवान से उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान पूनिया करीब 1 घंटे तक हॉस्पिटल में मौजूद रहे और डॉक्टरों से भी अच्युतानंद महाराज की हेल्थ रिपोर्ट जानी। उल्लेखनीय है कि बेणेश्वर धाम के पीठाधीश्वर महंत अच्युतानंद महाराज की कार पर अज्ञात व्यक्ति ने पथराव कर दिया गया। जिससे पीठाधीश्वर घायल हो गए, उन्हें निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती किया गया। जानकारी के मुताबिक अच्युतानंदजी मां बीमार हैं, जिनसे मिलने वह सरोदा आए हुए थे। मां से मिलने के बाद महंत रात को ही वापस साबला हरि मंदिर जा रहे थे, इसी दौरान पादड़ी के पास ढाले पर किसी अज्ञात बदमाश ने उनकी कार पर पत्थर से हमला कर दिया। पत्थर से कार का शीशा टूटा और आगे बैठे महंत को लग गया। इसमें उनके मुंह और जबड़े में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें तत्काल ही सागवाड़ा के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां आईसीयू में इलाज चला। इसके बाद उन्हें अहमदाबाद इलाज के लिए लाया गया।

नेमी कुमार की बारात में जनसेलाब उमड़ा

मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ने नेमी कुमार को विधि पूर्वक दीक्षा दी

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। न्यू हाउसिंग बोर्ड शास्त्री नगर में श्रुत संवेगी मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में श्री नेमिनाथ जिन बिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के तीसरे दिन तप कल्याण उत्साह पूर्वक मनाया गया। पंडाल भक्तगणों से खचाखच भरा हुआ था। समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि दिन में नेमिनाथ तीर्थंकर की भव्य विशाल बारात निकली। नेमीकुमार ऐरावत हाथी पर सवार थे। बैंडबाजों के साथ बारात में भक्ति गीतों के साथ नाचते-गाते उमंग के साथ विभिन्न मार्गो से भ्रमण कर पुनः पंडाल पहुंचे। नेमी कुमार राजुल की विवाह की तैयारी चल रही थी। राजुल फूलों का हार लेकर नेमी कुमार के साथ वरमाला करने की इंतजार कर रही थी। इस बीच मार्ग में पशुओं के चिखने की आवाज नेमीकुमार के कानों में गूंजने लगी। कई पशुओं का वध करने, चिखने की आवाज को सुनकर नेमीकुमार ने विवाह करने को मना कर दिया। राजुल हत- प्रत हो गई। विवाह करने का बहुत प्रयास किया कई इंद्रो, माता-पिता ने नेमी कुमार को विवाह करने का काफी मनाया। लेकिन नेमीकुमार ने संसार के बंधन में नहीं जाने व आत्म कल्याण करने का निर्णय लेकर विवाह करने के लिए मना कर दिया है। नेमीकुमार को वैराग्य आ गया। वह अपने कपड़ों, हार, मुकुट को उतार दिए और दीक्षा लेने के भाव हो गए। इस दौरान मुनिश्री आदित्य सागर महाराज ने मंत्रोचार द्वारा विधि पूर्वक नेमीकुमार को दीक्षा देदी। नामकरण नेमीकुमार रखा। आकाशदीप से बेवाड आता है। नेमीकुमार को विराजमान किया गया। जम्मू कुमार सरावगी नीमच जीटी परिवार नीमच, निर्मल कुमार सोनी, गुलाबचंद शाह, महावीर बाकलीवाल, जम्मू कुमार गदिया, सुमति अजमेरा, संतोष बडजात्या, निर्मल गोधा, राजेश सरिता, राजेंद्र बाकलीवाल, महावीर वेद, रोडमल परिवार, महावीर बाकलीवाल, महावीर सेठी, बाहुबली जैन नलिका सेठी, नीलम प्रतीक्षा अजमेरा परिवार को नेमी कुमार के दीक्षा के पूर्व उनके उतारे गए आभूषण, तिलक, पिछी, कमंडल लेने का सौभाग्य प्राप्त किया। मुनि श्री आदित्य सागर महाराज ने कहा कि तप धारण करना मनुष्य पर्याय की सार्थकता है। तप है, तो कीमत बढ़ती है। तप से पाषाण भी प्रतिमा बन जाती है। उन्होंने कहा कि प्रशंसा को परमात्मा को चढ़ाओ। अहंकार की बीमारी नहीं रहेगी। सहन करना सीखो। दुख के समय स्वाध्याय करना चाहिए। मुनिश्री ने कहा कि भीलवाड़ा नगर के आसपास एक वानप्रस्ता आश्रम का निर्माण कराएं जिसमें मंदिर, साधु का प्रवास, चातुर्मास, उनकी साधना का उपक्रम रहेगा। आप लोग इस पुनीत काम का मन बनाऐ। मेरा पूरा आशीर्वाद रहेगा।

आचार्य 108 श्री सौरभ सागर जी महाराज ससंघ का हुआ मंगल प्रवेश सेक्टर 7 जैन मंदिर में

जयपुर. शाबाश इंडिया। आचार्य 108 श्री सौरभ सागर जी महाराज ससंघ का सेक्टर 7 दिगंबर जैन मंदिर मालवीय नगर में भव्य जुलूस के साथ मंगल प्रवेश हुआ। श्रीमति रश्मि जैन अध्यक्ष जैन सोशल ग्रुप जनक ने बताया कि परम पूज्य आचार्य 108 श्री सौरभ सागर जी महाराज ससंघ का आज दिनांक 28 नवम्बर, मंगलवार को प्रातः 9 बजे शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 3 से सेक्टर 7 मालवीय नगर पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से प्रवेश हुआ है। महाराज की अगवानी कि लिये मंदिर के सभी पदाधिकारी गिरीश सरखेलिया, संजय , सुमेर, प्रकाश, शांति कुमार, कैलाश, मनीष आदि अनेक श्रावक श्रेष्ठी उपस्थित रहे। महाराज श्री प्रवास मंदिर जी सेक्टर 7 में रहेगा।

सिद्ध चक्र महामण्डल विधान विश्व शांति महायज्ञ के साथ सानन्द सम्पन्न

पारस जैन पार्श्वमणि. शाबाश इंडिया

कोटा (राजस्थान)। कोटा के तलवंडी स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान दिनांक 20 नवंबर से 28 नवंबर 2023 तक हर्षोल्लास के मंगलमय वातावरण में श्रद्धा भक्ति भाव और समर्पण के साथ सानंद संपन्न हुआ । विधि विधान की मंगल क्रियाएं बाल ब्र. भावेश जी सिद्धक्षेत्र ऊन एवम अभिषेक शास्त्री सार्थक के निर्देशन में की गई।संगीत की सुमधुर धुनों पर अभी इंद्र इंद्राणियो को आकाश जैन एंड पार्टी द्वारा झूम झूम कर भक्ति रस में डुबाया गया। इस सिद्ध चक्र विधान के पुण्यार्जक धर्म चंद जैन श्रीमति श्वेता जैन रहे। इस विधान को श्रद्धा भाव से करने से सभी मनोकामना पूर्ण होने के साथ सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का समापन विश्व शांति महायज्ञ एवं शोभायात्रा द्वारा हुआ। विश्व में शांति और सद्भाव कायम रहे, इसके लिए विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया गया।

श्री जी को पालकी में लेकर नगर भ्रमण पर निकले जैन श्रद्धालु

अम्बाह. शाबाश इंडिया

श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन बडे मंदिर में संत सेवा समिति द्वारा जगत कल्याण की कामना हेतु श्री सिद्ध चक्र महामंडल विधान का आयोजन जैन संत विगुण सागर जी महाराज के सानिध्य में किया गया मंगलवार को विधान के समापन अवसर पर जैन समाज द्वारा गाजे बाजे के साथ श्री जी की पालकी यात्रा निकाली गई इस दौरान श्री जी का अभिषेक सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान हुए । जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, भगवान शांतिनाथ के जय घोष के साथ पालकी यात्रा जैन गली से प्रारंभ हुई जो संपूर्ण बाजार का भ्रमण करते हुए वापस जैन मंदिर पहुंची जहां श्री जी का अभिषेक, व शांतिधारा की गई। संगीतमय आराधना में श्रद्धालुओं ने विश्व शांति महायज्ञ किया एवं मंत्रों की आहुति द्वारा राष्ट्र, परिवार, देश एवं विश्व शांति की कामना की। समिति के सदस्य संतोष जैन, ओपी जैन, कुलदीप जैन, कुल्लू जैन ने बताया विधान के समापन पर श्रीजी का अभिषेक हुआ। श्रीजी की पालकी यात्रा में महिलाएं दो दो की लाइन में धर्म ध्वजा लेकर चल रही थी। वही इस विधान में पंडित मुकेश शास्त्री एवं शुचि दीदी का विशेष सहयोग रहा। सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर संत विगुण सागर जी महाराज ने भक्तों से कहा कि परमात्मा की भक्ति करने से भक्तों की महिमा अपने आप फैल जाती है। जैसे फूल को सूंघना नहीं पड़ता उसकी सुगंध हवा के माध्यम से अपने आप मिल जाती है।

महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र का दीपावली स्नेह मिलन समारोह संपन्न

जीवन के स्वर्णिम 8 दशक पार कर चुके 36 अतिवरिष्ठ सदस्यों के सम्मान के साथ हुआ आयोजन

उदयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल उदयपुर केंद्र के सचिव रवींद्र सुराणा ने बताया कि यह केंद्र राष्ट्रीय स्तर पर 350 केंद्रो में सेवा कार्यों में सबसे अग्रणी एवं श्रेष्ठ सेवा कार्यों हेतु जाना जाने वाला केंद्र है। साधारण सभा एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह लुणावत फॉर्म, टाइगर हिल, उदयपुर पर बड़ी भव्यता के साथ मनाया गया। संस्था प्रार्थना से आम सभा की शुरूवात की गई। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथि सम्मान के बाद मुख्य अतिथि वीर मांगीलाल लुणावत द्वारा जीवन के 8 दशक पूर्ण कर चुके सेवाभावी 36 वीर/ वीराओ का सम्मान किया गया। जिसमे अतिवरिष्ठ सदस्यों द्वारा विभिन्न सेवा कार्यों हेतु 83000/- रुपए की धनराशि घोषित की गई। विशिष्ट अतिथि अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रीजन 4 वीर गौतम राठौड़ द्वारा पर्यावरण संरक्षण के राष्ट्रीय प्रकल्प ''कपड़े की थैली मेरी सहेली'' के अंतर्गत जूट के थैले का अनावरण कर उनकी ओर से 300 थैले वितरित किए गए। 45 वर्ष पुराने इस केंद्र के युवा अध्यक्ष सुनील गांग ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बताया कि संस्था को इतने लंबे समय बाद वर्तमान में जो 1300 वर्ग गज भूमि का आबंटन हुवा उसका श्रेय पूर्व सेवाभावी अध्यक्ष गणेश डागलिया, आर.के चतुर, बी.एल.खमेसरा, पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष राज लोढ़ा, सेवाभावी संयोजक गजेंद्र भंसाली एवं कर्मठ सदस्यों के प्रयास का परिणाम है। सेवाभावी सदस्य सुरेश चन्द्र मेहता के मरणोपरांत देहदान पर उनके परिजनों को सम्मान पत्र सौंप कर अभिनंदन किया गया जिसका वाचन डॉ. हंसा हिंगड़ द्वारा किया गया। देहदान दाता स्व. मेहता के पुत्र अरविंद मेहता द्वारा उसी वक्त अपने जीवन उपरांत देहदान की घोषणा की गई जिसका कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने ताली बजा कर अभिनंदन एवं स्वागत किया। रक्तदान समिति संयोजक मनमोहन राज सिंघवी एवं अरुण कोठारी द्वारा रक्तवीर सदस्यों में 21 बार से अधिक रक्त दान वीरों में सुरेश सिसोदिया के 45 बार, गणेश डागलिया के 42 बार, डॉ. हंसा हिंगड़ के 33 बार एवं वर्तमान युवा अध्यक्ष सुनील गांग द्वारा 31 बार रक्तदान किए जाने पर अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। अंगदान दानदाता में मरणोपरांत नेत्रदान दाता स्व. प्रफुल्ल वर्डिया के भ्राता केंद्र सदस्य यशवंत वर्डिया को अभिनंदन पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सेवा की अलख में केंद्र भामाशाह सदस्यों द्वारा स्थाई नवीन प्रकल्प दैनिक सहयोग के अंतर्गत दीन दुखी की मूलभूत आवश्यकता रोटी कपड़ा, शिक्षा , इलाज आदि हेतु सहयोग राशि रु 3 लाख की घोषणा की गई एवं इस नियमित प्रकल्प हेतु अध्यक्ष सुनील गांग ने उपाध्यक्ष रंजीत सिंह सरुपरिया को संयोजक का कार्यभार सौंपा। धन्यवाद की रस्म के बाद राष्ट्रगान के साथ साधारण सभा संपन्न हुई। तदोपरान्त दीपावली स्नेह मिलन कार्यक्रम संयोजक ध्रुव प्रकाश धाकड़, लता भंडारी एवं कोमल चावत द्वारा नवकार मंत्र गायन से शुभारंभ किया गया। सभी नवंबर माह में जन्मे सदस्यों का जन्मदिवस एवं वैवाहिक बंधन में बंधे जोड़ों की वैवाहिक वर्षगांठ गीत संगीत के साथ शुभकामनाएं प्रेषित कर मनाई गई। युवा प्रतिभा सौम्य गांग एवं तनिश सुराणा द्वारा 70-80 के दशक की फिल्मों के गानों पर आधारित रोचक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में बड़े उत्साह से सभी ने भाग लेकर आनंद लिया। मेहंदी प्रतियोगिता की विजेता सुशीला सिंघवी, स्नेहलता गांग, शीलू सुराणा एवं रंगोली सजाओं प्रतियोगिता की विजेता शीलू सुराणा, थाली सजाओं प्रतियोगिता की विजेता रेणु सिंघवी, शीलू सुराणा, उर्वशी सिंघवी को आशा हिंगड़ एवं हंसा हिंगड़ द्वारा पुरुस्कृत किया गया। नृत्य प्रस्तुति में एकल विजेता सुश्री श्रेष्ठी भंडारी एवं 6 बेस्ट युगल विजेता को ट्रस्ट सदस्य बी. एल.खमेसरा एवं आजाद खमेसरा द्वारा पुरुस्कार प्रदान किए गए।

अष्टानिका महा पर्व में सिद्धो की भक्ति से विशिष्ट पुण्य की प्राप्ति होती है : विजय धुर्रा

आयोजन कर्ता परिवार ने किया सभी का बहुमान। श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान के समापन पर शोभायात्रा निकाली

कोलारस. शाबाश इंडिया। अष्टानिका महापर्व पर देशभर में भगवान जिनेन्द्र देव की महाआराधना स्वरूप हो रहें श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ की श्रंखला में शिवपुरी जिले के कोलारस नगर में अशोक कुमार राकेश कुमार अकाझरी परिवार द्वारा नगर के स्वागत गार्ड में सिद्धो की आराधना भक्तिभाव से की गई समापन के वाद मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि अष्टानिका महा पर्व में सिद्धो की भक्ति का विशिष्ट पुण्य की प्राप्ति होती है ।

शोभायात्रा निकालकर किए कलशाभिषेक: समापन समारोह के अंतिम दिन भगवान की पूजनअर्चना के बाद भगवान जिनेन्द्र देव की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो स्वागत गार्डन मार्ग तहसील रोड स्टेशन मार्ग आगरा मुम्बई रोड़ मैन रोड से छोटे मन्दिर पहुंच कर कलाशाभिषेक समारोह में बदल गई जहां महा आराधना कर्ता परिवार की ओर से अशोक कुमार राकेश कुमार मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा अशोक नगर एवं वीरेन्द्र कुमार करई द्वारा पाडुक शिला पर विराजमान कर भगवान के कलाशाभिषेक भक्तो की जय जय कार के बीच की गई। इसके बाद जगत कल्याण की कामना के लिए भगवान जिनेन्द्र देव की महा शान्ति धारा की गई ।

महा पर्व में भगवान की आराधना का विशेष महत्व होता हैं: विजय धुर्रा- इस दौरान मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि अष्टानिका महा पर्व में भगवान की आराधना का विशेष महत्व होता है परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज कहते हैं कि पर्व के दिनों में भगवान की भक्ति का अन्य दिनों की अपेक्षा कई गुना फल प्राप्त होता है क्योंकि प्रकृति का वातावरण ऐसा होता है जो जगत के जीवों को विशेष आराधना के लिए ही निश्चित किया गया है इन दिनों में स्वर्ग के देव भी नंदीश्वर दीप में पहुंच कर भगवान की विशेष भक्ति आराधना कर अतिशय पुण्य को प्राप्त करते हैं हमारे मामाजी परिवार से श्री अशोक कुमार राकेश कुमार सौरभ कुमार पटवारी परिवार स्वागत गार्डन वाले ने बहुत ही भव्य रूप में महा आराधना का सुयाश प्राप्त किया है। हम उनके मंगल भावों की बहुत बहुत अनुमोदन करते हैं । इस दौरान भगवान से परिवार के प्रमुख जनों ने क्षमा मांग कर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद महाप्रसादी रुप भोजन का आयोजन कर सभी आगंतुक अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

वेद ज्ञान

सभ्य समाज में क्षमा दान का विशेष महत्व

किसी की गलती के लिए उसे क्षमा करना बहुत आसान भी है और कठिन भी। आसान इस मायने में कि क्षमादान से मनुष्यों के बीच तमाम द्वेष-द्वंद्व मिट जाते हैं, जबकि यह कार्य कठिन इसलिए है, क्योंकि हर किसी में क्षमा करने का गुण विद्यमान नहीं होता। क्षमा याचना और क्षमा दान से व्यक्ति कमजोर या दुर्बल नहीं होता, बल्कि ऐसा करने से दोनों ही पक्ष अहंकार की अग्नि में जलने से बच जाते हैं और दोनों पक्षों के बीच आत्मीयता पहले की अपेक्षा और ज्यादा प्रकट हो जाती है। सभ्य समाज में क्षमा याचना और क्षमा दान का विशेष महत्व है। क्षमा में बहुत बड़ी शक्ति होती है। क्षमा मनुष्य की मनुष्य के प्रति कृतज्ञता है, इसलिए क्षमा दान को वीरों का आभूषण कहा गया है। इसी तरह क्षमा याचना से मनुष्य का समस्त अहंकार समाप्त हो जाता है। क्षमा याचना के लिए मनुष्य में अपनी गलती, असफलता और कमजोरी को स्वीकार करने की क्षमता होनी जरूरी है। जैसे-मनुष्य के मुंह से कोई अपशब्द निकल जाए तो वह उसे वापस नहीं ले सकता। मनुष्य के मुंह से निकला अपशब्द धनुष से निकले तीर के समान है, जो सामने वाले के शरीर में घाव करके ही रहेगा। इसलिए जाने-अनजाने में अपशब्द बोलने के उपरांत यदि मनुष्य अपने किए पर शर्मिंदा है तो उसके लिए उसके पास क्षमा याचना के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। क्षमा याचना की सबसे ज्यादा जरूरत व्यक्तिगत जीवन में पड़ती है। असल में प्रत्येक मनुष्य अपने बारे में एक धारणा और विचारधारा बना लेता है और वह उसी के अनुसार व्यवहार करता है। वह मन ही मन यह तय कर लेता है कि लोग उसे किस रूप में देखें, उसके बारे में क्या सोचें और क्या कहें। जब कोई व्यक्ति उसकी स्व-धारणा को ठेस पहुंचाता है तो उसे अप्रिय लगता है। वह यह मानने लगता है कि उसकी स्व-धारणा को आहत करने वाले को उससे क्षमा मांगनी चाहिए। अगर सामने वाला क्षमा मांग लेता है तो उसकी स्व-धारणा पुनः स्थापित हो जाती है वरना वह उस घटना को लंबे समय तक भुला नहीं पाता। ऐसी स्थिति से निकलने का सुझाव देते हुए गुरु गोविंद सिंह जी कहते हैं कि यदि कोई दुर्बल मनुष्य अपमान करे तो उसे क्षमा कर दो, क्योंकि क्षमा करना वीरों का काम है, लेकिन अपमान करने वाला बलवान हो तो उसको अवश्य दंड दो।

संपादकीय

नौसैनिकों को घर लाने के लिए ठोस कूटनीतिक कदम जरूरी

कतर की एक अदालत में भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों को जिस तरह मौत की सजा सुनाई गई थी, वह पहले ही सवालों के घेरे में थी। इसलिए भारत की ओर से इस पर कोई ठोस पहलकदमी या कूटनीतिक कदम उठाए जाने की उम्मीद की जा रही थी। इसी क्रम में भारत ने कतर की अदालत के फैसले के खिलाफ औपचारिक रूप से अपील की थी। इस संबंध में आई खबर के मुताबिक, अब कतर की अदालत ने भारत की इस याचिका को स्वीकार कर लिया है और इसका अध्ययन कर जल्दी ही सुनवाई शुरू की जाएगी। इस तरह न केवल मौजूदा कानूनी दायरे के बरक्स विकल्पों पर विचार हो सकेगा, बल्कि मानवीय लिहाज से भी इस फैसले का आकलन किया जाएगा। वैश्विक स्तर पर अलग-अलग देशों के बीच जैसे संबंध होते हैं, उसके मद्देनजर भी कानूनी कसौटियों पर विचार और जरूरत के मुताबिक उसकी उचित व्याख्या की जरूरत महसूस की जाती है। यह भी देखे जाने की जरूरत होती है कि क्या ऐसे मामलों में अंतरराष्ट्रीय कानूनों की कोई भूमिका बनती है। यों भी, अपने नागरिकों पर किसी अन्य देश में कानूनी कार्रवाई पर अपना रुख तय करना किसी भी देश का अधिकार है। यह आरोपों की गंभीरता और प्रकृति पर निर्भर करता है कि कोई देश ऐसे मामले में क्या प्रतिक्रिया देता है। कतर में जिन आठ भारतीय नौसैनिकों को मौत की सजा सुनाई गई है, उन पर लगे आरोपों के बारे में कोई साफ तस्वीर नहीं है। फिर अगर वहां की कानूनी व्यवस्था ने अपनी कसौटियां लागू की भी, तो यह देखने की जरूरत है कि क्या मौत की सजा के अलावा अन्य कोई विकल्प मौजूद नहीं है। गौरतलब है कि जिन अधिकारियों को सजा सुनाई गई, वे कतर की एक निजी नौसेना कंपनी में नौकरी करने गए थे। मगर पिछले साल कतर की पुलिस ने इन अधिकारियों को गिरफ्तार कर लिया था। हैरानी है कि शुरूआती दिनों में कतर ने इस मामले को गुप्त रखा। हालांकि इससे संबंधित खबरों में यह बताया गया कि पकड़े गए अधिकारी इजराइल के लिए कतर की पनडुब्बी परियोजना की जासूसी कर रहे थे। मगर इस मसले पर जिस स्तर की गोपनीयता बनाए रखी गई और पारदर्शिता का खयाल नहीं रखा गया, उससे उसके औचित्य को लेकर सवाल उठे। भारत के लिए यह अपने नागरिकों के प्रति मानवीय दायित्व का मामला भी है, इसलिए इसकी ओर से इस सजा पर फिर से विचार करने की अपील करना स्वाभाविक है। अब कानूनी कार्रवाई और सजा को लेकर कतर की अदालत ने अगर भारत की अपील पर विचार करना मंजूर किया है, तो यह मानवीय तकाजों के लिहाज से एक जरूरी कदम होने के साथ-साथ भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से भी सकारात्मक कदम है। हालांकि भारत और कतर के बीच घनिष्ठ संबंध रहे हैं और विभिन्न स्तरों पर दोनों देशों में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। ऐसे मामलों में आरोपों के समांतर अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक समीकरण के भी अपने तकाजे होते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

तकनीक...

तकनीक अपने आप में एक निरपेक्ष संसाधन है, जिसका मकसद मनुष्य के जीवन को ज्यादा सुविधाजनक बनाना रहा है। ज्यों-ज्यों इसका विस्तार होता गया, इसके बहुस्तरीय लाभ भी देश-दुनिया को मिले। मगर इसके समांतर ज्यादातर तकनीकों तक कुछ ऐसे लोगों के हाथ भी पहुंचे, जिन्होंने न सिर्फ उसे अवैध या गलत तरीके से कमाई और ठगी का जरिया बनाया, बल्कि आम लोगों के सामने कई तरह के जोखिम भी पैदा किए हैं। आज ज्यादातर लोग अपने बहुत सारे दस्तावेजी कामकाज के साथ-साथ आर्थिक लेनदेन के लिए डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हैं। निश्चित रूप से यह कई मायनों में सुविधाजनक है, लेकिन अब साइबर अपराध का दायरा इस कदर फैलता जा रहा है कि डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने वालों के लिए हर वक्त सावधान रहने की मजबूरी खड़ी हो गई है। यों साइबर सेंधमारी सरकारों तक के लिए चुनौती बन गई है, लेकिन भारत में इंटरनेट को ठगी और वेबसाइट या ईमेल हैक करने से लेकर भयादोहन तक का जैसा जरिया बना लिया गया है, वह कई स्तरों पर चिंता पैदा कर रहा है। गौरतलब है कि देश के राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक ने रविवार को एक कार्यक्रम में कहा कि भारत की साइबर दुनिया में वैश्विक औसत की तुलना में सेंधमारी की घटनाओं में करीब दोगुनी बढ़ोतरी देखी गई है। यह स्थिति तब है जब सरकार से लेकर निजी क्षेत्र तक, सभी ओर से कामकाज के लिए डिजिटल माध्यमों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाता और इसे सुरक्षित बनाने के तमाम इंतजाम करने के दावे किए जाते हैं। मगर हकीकत यह है कि आम लोगों से अलग-अलग तरीकों से साइबर ठगी करने की तो दूर, बेहद सुरक्षित तकनीकी दीवार के भीतर माने जाने वाले अनेक सरकारी संस्थानों से लेकर कुछ बैंकों की वेबसाइटों तक पर बड़े साइबर हमले हो चुके हैं। रोजाना न जाने कितने लोग ऐसे ठगों का शिकार होते हैं और कितनी रकम खातों से उड़ाई जाती है। आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दस महीनों में औसतन 1.54 अरब अमेरिकी डालर के लिए साइबर हमला किया गया। इन हमलों में 2022 के बाद से दोगुनी बढ़ोतरी हो गई है। ये वे मामले हैं, जिनके खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई। ऐसी तमाम सेंधमारी और ठगी की घटनाएं होती हैं, जिनमें साधारण लोग इसका शिकार होते हैं, मगर वे कई वजहों से शिकायत दर्ज नहीं करा पाते। सवाल है कि अगर आम जनजीवन में सुविधा के लिए चलन में लाई गई कोई तकनीक इस कदर असुरक्षित हो गई है कि इसके इस्तेमाल को लेकर हर वक्त भयग्रस्त और सावधान रहना पड़ता है तो इसे एक आम व्यवस्था बनाने के प्रयासों को कैसे देखा जाए। ऐसी खबरें भी आती रहती हैं कि अवांछित समूहों द्वारा कई तरह से आम लोगों के निजी ब्योरे को कहीं से हासिल करके उसकी खरीद-बिक्री की जाती और इस तरह व्यक्ति की निजता का हनन करने से लेकर साइबर अपराध की भूमिका रची जाती है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि भारत में अभी साइबर दुनिया की सुरक्षा की दीवार पुख्ता नहीं है और इंटरनेट की दुनिया में आंकड़ों की हेराफेरी से लेकर ठगी तक के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं। दूसरे देशों में भी इंटरनेट के उपयोग को पूरी तरह सुरक्षित नहीं कहा जा सकता है। जाहिर है, तकनीक के इस सुविधाजनक दिखते संसार को साइबर सेंध से अभेद्य बनाना दुनिया के तमाम देशों के सामने एक बड़ी चुनौती है।

श्रीमहावीरजी में प्रथम वार्षिक स्थापना दिवस के उपलक्ष में हुए कलशाभिषेक

चंद्रेश कुमार जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीर जी। कस्बा स्थित श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी मुख्य मंदिर में खड्गासन भगवान महावीर स्वामी एवं चौबीसी प्रथम वार्षिक स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार को मुनि श्री 108 चिन्मयानंद सागर जी महाराज के सानिध्य में भव्य कलशाभिषेक महोत्सव कमेटी की ओर से आयोजन किया गया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मंत्री सुभाष चंद्र जैन ने बताया कि चांदनपुर वाले बाबा की पावन नगरी श्री महावीर जी के चरण छत्री परिसर में मंगलवार को नवनिर्मित खडगासन चौबीसी फीट भगवान महावीर स्वामी एवं चौबीसी के प्रथम वार्षिक स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रातः 9:00 बजे से प्रतिमाओं का भव्य कलशाभिषेक किया गया। जिसमें पात्र परिवारों ने बोली लेकर कलश किया। जल एवं दूध से अभिषेक किए गए जिसमें भगवान महावीर कलश, वर्धमान कलश, रत्नत्रयी कलश आदि किए गए। इस मौके पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल, मानद मंत्री सुभाष चंद्र जैन, उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश पहाड़िया, संयुक्त मंत्री उमरावमल संघी, प्रदीप कुमार जैन, कोषाध्यक्ष विवेक कुमार काला, सदस्य पदम कुमार जैन, सुधीर कासलीवाल आदि उपस्थित थे। इस मौके पर हजारों की संख्या में जैन धर्मावलम्बी महिलाए एवं पुरुष मौजूद रहे।

पंचायती राज सशक्तिकरण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला प्रारंभ, देशभर से आये एक्सपर्ट

जयपुर। SIDART, HSF एवं ARAVALI के संयुक्त तत्वावधान में स्टेट इंस्टीट्यूट आफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर जयपुर में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि प. सुरेश मिश्रा ने द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया।कार्यक्रम में सिद्धार्थ की पैनल मेंबर श्रीमती गीतिका पांडे, राजेंद्र भाणावत (IAS), ARAVALI के निदेशक वरुण शर्मा, संजय गुप्ता, डॉ. टी. नागेंद्र स्वामी, ने भाग लेकर अपने अनुभव साझा किए।कार्यक्रम समन्वयक सी. पी. शर्मा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।SIDART की मानद सलाहकार डॉक्टर प्रमिला संजय ने एक प्रेजेंटेशन के माध्यम से SIDART-HSF पंचायती राज सशक्तिकरण कार्यक्रम से अवगत कराया।SIDART के एक्सपर्ट श्रीमती दीपिका बिहानी, वरुण शर्मा, डॉ ज्योत्सना भारद्वाज, श्रीमती बीनू धवन, श्रीमती जयश्री परब, राधेश्याम शर्मा, श्रीमती नीता परमार सहित सभी विलेज वालंटियर ने अपने अनुभव व पंचायती राज सशक्तिकरण को सुदृढ करने पर अपनी राय प्रस्तुत की।कार्यशाला में जयपुर जिले सहित उत्तरप्रदेश के बलिया से सरपंच सुश्री स्मृति सिंह, जाहोता सरपंच श्याम प्रताप सिंह राठोड़, गोविंदपुरा सरपंच पवन कुमार बुनकर, साईवाड़ सरपंच राजेन्द्र बुनकर, जयरामपुरा सरपंच जगदीश निठारवाल ने भाग लेकर पिछले सालों में पंचायतों में किये गए कार्यो से अवगत कराया व आगामी वर्षों की कार्ययोजना के बारे में बताया।

ज्ञानतीर्थ में श्री जी की शोभायात्रा के साथ हुआ विधान का समापन

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। श्री सिद्धचक्र महामंडल एवम विश्व शांति महायज्ञ के समापन पर ज्ञानतीर्थ क्षेत्र में श्री जी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। ज्ञानतीर्थ पर विराजमान सप्तम पट्टाचार्य श्री ज्ञेयसागर महाराज, मुनिश्री ज्ञातसागर महाराज, मुनिश्री नियोगसागर महाराज, क्षुल्लक श्री सहजसागर महाराज के पावन सान्निध्य में 20 नवंबर को आठ दिवसीय सिद्धचक्र विधान का शुभारंभ हुआ था । विधान की सभी क्रियाएं प्रतिष्ठाचार्य अशोक शास्त्री लिधौरा व महेंद्रकुमार शास्त्री मुरेना ने सम्पन्न कराई। श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान के समापन पर आज अंतिम दिन श्री जिनेंद्र प्रभु का अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजन पश्चात विश्व शांति के कामना के साथ महायज्ञ का आयोजन किया गया। उपस्थित सभी लोगों ने हवन में आहुति दी । महायज्ञ के पश्चात श्री जिनेंद्र प्रभु की प्रतिमा को चांदी की पालकी में विराजमान किया गया । शोभा यात्रा में सभी भक्तजन एक विशेष परिधान में उपस्थित थे । सभी के हाथों में जैन धर्म की पचरंगीन ध्वजा थी । सभी लोग जैन सिद्धांतों के अनुसार नारे लगाते हुए जैन धर्म का गुणगान कर रहे थे । युवक भक्ति पूर्ण भजनो पर नृत्य करते हुए चल रहे थे । बैंड बाजों के साथ प्रभु की शोभायात्रा हाइवे पर भ्रमण करती हुई ज्ञानतीर्थ प्रांगण में स्थित पांडुक शिला पर पहुंची। श्री जिनेंद्र प्रभु को पांडूक शिला पर विराजमान कर उपस्थित सभी पात्रों, इंद्रगणों ने स्वर्ण कलश से श्री जिनेंद्र प्रभु का जलाभिषेक किया। आचार्य श्री ज्ञेयसागर जी महाराज ने श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का महत्व बताते हुए कहा कि यह विधान सभी पापों, अशुभ कर्मो एवम सभी दुखों का नाश करता है । अपने जीवनकाल में प्रत्येक श्रावक को इस विधान को करना चाहिए। विधान पुण्यार्जक महेंद्रकुमार, पवनकुमार जैन बजाज (विचपुरी वाले) के विधान में बाल ब्रह्मचारिणी अनीता दीदी, मंजुला दीदी, ललिता दीदी का निर्देशन प्राप्त हुआ।

आर्यिका105 भरतेश्वरी माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में सिद्ध चक्र महामंडल विधान का विश्व शांति महायज्ञ के साथ हुआ भव्य समापन

नरेन्द्र कुमार, अनिल कुमार,अनुज कुमार कासलीवाल फागी वाले परिवार जनों ने अक्षय पुण्यार्जन प्राप्त किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर शहर में आर्यिका 105 भरतेश्वरी माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में मानसरोवर एस.एफ.एस के आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर मैं चल रहे आठ दिवसीय सिद्ध चक्र महामंडल विधान का प्रतिष्ठाचार्य कमलेश जैन बनारस के दिशा निर्देश में आज विभिन्न मंत्रोचारणों के बीच भव्यता के साथ समापन हुआ ।कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए बताया कि उक्त विधान के आयोजक नरेंद्र कुमार, अनिल कुमार, अनुज कुमार कासलीवाल परिवार फागी निवासी थे, जिन्होंने दिल खोलकर चंचला लक्ष्मी सदुपयोग कर पुण्यार्जन प्राप्त किया है। कार्यक्रम में मंदिर समिति के मंत्री सोभागमल जैन ने अवगत कराया कि जयपुर शहर में यह ऐतिहासिक सिद्ध चक्र महामंडल विधान था जिसमें करीब 500 इन्द्र -इन्दाणियों पूजा अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त किया, इससे पूर्व प्रातः श्री जी का अभिषेक शांतिधारा अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना के सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई। फागी सरावगी जैन समाज के महावीर अजमेरा ने इस कार्यक्रम में शिरकत करते हुए बताया कि जयपुर में इस तरह का हमने पहला विधान देखा है जिसमें साज सज्जा के द्वारा विभिन्न मंत्रोचारणों के द्वारा इस विधान का समापन के बाद होने के बाद आज विश्व शांति महायज्ञ में श्रृदालुओं ने आहुतियां अर्पित की बाद में श्री जी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई, तथा आयोजक कासलीवाल परिवार के आवास पर जयकारों के साथ श्रावक श्राविकाएं मंगल गीत गाते पहुंचे तथा आर्यिका श्री के पावन सानिध्य में मुख्य मंगल कलश विराजमान किया, कार्यक्रम में जयपुर, बगरू, सांगानेर, फागी, चकवाड़ा, रेनवाल, लदाना सहित अनेक शहरों कस्बों से श्रृदालुओं ने शिरकत कर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई बाद में आर्यिका श्री से सभी भक्त जनों ने मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया।

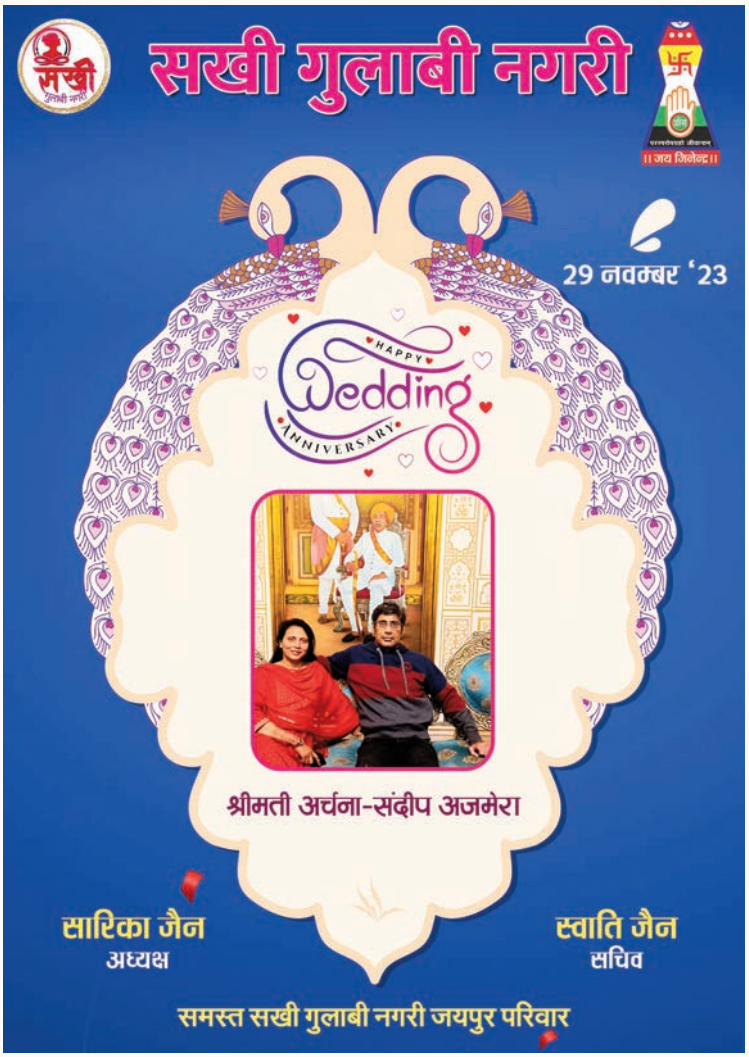

आर्यिकारत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

जीवन के साथ संस्कारों का घनिष्ठ सम्बन्ध है और भारतीय जीवन में संस्कारों का बड़ा महत्त्व है

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिकारत्न 105 विज्ञाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी जिला - टोंक (राज.) में विराजमान आस पास की समाजों को धर्म में अग्रसर करने का प्रयास कर रही है। पूज्य माताजी ने सभी को धर्मोपदेश देते हुए कहा कि जीवन के साथ संस्कारों का घनिष्ठ सम्बन्ध है और भारतीय जीवन में संस्कारों का बड़ा महत्त्व है। वास्तव में संस्कृति शब्द संस्कार से बना है। इसका अर्थ है-परिमार्जित, परिकृत, सुधारा हुआ, ठीक किया हुआ। इन अर्थों में मानव में जो दोष हैं, उनका शोधन करने के लिए, उन्हें सुसंस्कृत करने के लिए ही संस्कारों का प्रावधान किया हुआ है। संस्कारों के द्वारा मानवीय मन को एक विशिष्ट वैज्ञानिक पद्धति के आधार पर निर्मल, सन्तुलित एवं सुसंस्कृत बनाया जाता है। जीवन में काम आने वाले सत्यवृत्तियों का बीजारोपण भी इन संस्कारों के समय होता है यदि किसी बालक के सभी संस्कार ठीक रीति से समुचित वातावरण में किये जायें, तो उसका व्यक्तित्व सुविकसित होता है। संस्कार पद्धति के द्वारा उसके मनोविकारों का निराकरण कर उसकी सृजनात्मक शक्ति को बढ़ावा देता है। अतः जीवन की बहुमूल्य विशिष्टता, सम्पदा और चरित्र निर्माण का आधार संस्कार है। संस्कारों का महत्त्वः मानव जीवन में संस्कारों का अत्यधिक महत्त्व है। संस्कारों का सर्वाधिक महत्त्व मानवीय चित्त की शुद्धि के लिए है । संस्कारों के द्वारा ही मनुष्य का चरित्र निर्माण होता है और विचारों के अनुरूप संस्कार; क्योंकि चरित्र ही वह धुरी है, जिस पर मनुष्य का जीवन सुख, शान्ति और मान-सम्मान को प्राप्त करता है। संस्कार के द्वारा मानव चरित्र में सदगुणों का संचार होता है, दोष, दुर्गुण दूर होते हैं। मानव जीवन को जन्म से लेकर मृत्यु तक सार्थक बनाने तथा सत्य-शोधन की अभिनव व्यवस्था का नाम सरकार है । संस्कारों का मूल प्रयोजन आध्यात्मिक भी है तथा नैतिक विकास का भी है; क्योंकि मानव जीवन को अपवित्र एवं उत्कृष्ट बनाने वाले आध्यात्मिक उपचार का नाम सस्कार है । श्रेष्ठ संस्कारवान मानव का निर्माण ही संस्कारों का मुख्य उद्देश्य है । संस्कारों के द्वारा ही मनुष्य में शिष्टाचरण एवं सभ्य आचरण की प्रवृत्ति का विकास होता है । इस अर्थ में सर्वसाधारण के मानसिक, चारित्रिक एवं भावनात्मक विकास के लिए सर्वांग सुन्दर विधान संस्कारों का है। आगामी 10 दिसम्बर 2023 को होने वाले पिच्छिका परिवर्तन एवं 108 फीट उत्तुंग कलशाकार सहस्त्रकूट जिनालय के भव्य शुभारम्भ में सम्मिलित होकर इस सुअवसर में साक्षी बनकर पुण्यार्जन करें।

विहार मे उमड़ा जन सैलाब

सजल आंखों से साध्वी प्रितीसुधा को श्रध्दालूओं ने करवाया विहार अहिंसा भवन शास्त्रीनगर सें

भीलवाड़ा. कासं। चातुर्मास सम्पूर्ण साध्वी प्रितीसुधा के विहार मे उमड़ा जन सैलाब और सजल नैत्रों से श्रीसंघ अहिंसा भवन ने करवाया विहार। प्रवक्ता निलिष्का जैन ने बताया रविवार को विगत पांच महिनों से महासती उमरावकंवर प्रखंर वक्ता डॉ.प्रिती सुधा,साध्वी मधुसुधा, साध्वी संयम सुधा आदि ठाणा चातुर्मार्थ अहिंसा भवन

विराजमान थे। जिनका मंगलवार भव्य जूलूस के साथ अहिंसा भवन के मुख्य मार्ग दर्शक अशोक पोखरना अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल, हेमन्त आंचलिया रिखबचंद पीपाड़ा,कूशलसिंह बूलिया,शांति लाल कांकरिया आदि पदाधिकारियों के साथ चंदनबाला महिला मंडल की अध्यक्षा नीता बाबेल उमा आंचलिया,रजनी सिंघवी,संजूलता बाबेल,सुनिता झामड़ आदि ने सैकड़ों श्रध्दालूओं के साथ भव्य झूलूस मे साथ साध्वी मंडल के विहार साथ चले और शांतिभवन भोपालगंज पधारने पर श्रीसंघ के अध्यक्ष महेन्द्र छाजेड़ मंत्री राजेन्द्र सुराणा,सुशील चपलोत,बाबूलाल सूर्या,राजेन्द्र चीपड़,मनोहर लाल सूर्या,रतनलाल कोठारी,कानसिंह चौधरी अमरसिंह डूगरवाल तथा महावीर नवयुवक मंडल के अध्यक्ष पुखराज चौधरी,प्रदीप पारख एवं शांति जैन महिला मंडल की बहनों ने सैकड़ों श्रावक श्राविकाओं की मोजूदगी में जयकारों के साथ साध्वी मंडल की अगवानी की इसदौरान साध्वी प्रितीसुधा ने सभी महामंगल पाठ देते हुए कहा कि आज जुदाई विदाई की वेला है। विदाई देना और लेना बहुत मुश्किल होता है, लेकिन यह विदाई नहीं बल्कि लक्ष्य की पूर्ति है। साधना और आराधना को क्रम बंद नहीं करना,धर्म के मार्ग चलोगे तभी जीवन का लक्ष्य प्राप्त करके मानव भव को सफल बना पाओगे। आत्मा को मोक्ष दिलवा पाओगे। **रिपोर्टः निलिष्का जैन**

श्री निम्बार्क जयंती महोत्सव, ठाकुर आनन्द कृष्ण बिहारी जी ने जीमे 56 भोग

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री निंबार्क जयंती महोत्सव के उपलक्ष में मंगलवार को श्री आनंद कृष्ण बिहारी जी के मंदिर में निम्बार्क महिला मंडल की ओर से 56 भोग का आयोजन किया गया। सभी निम्बार्क माता- बहनों ने अपने हाथों से बनाए अमनिया पकवानों का ठाकुर जी को भोग लगाया। साथ ही ख्यातनाम भजन गायक जुगल सैनी एवं अन्य निम्बार्क गुरु भाइयों ने भोग झांकी के पद गाकर ठाकुर जी को सुस्वादु पकवानों का भोग लगाने के लिए रिझाया। श्री सर्वेश्वर सांसद स्थित श्री राधा सर्वेश्वर भगवान और श्री आनंद कृष्ण बिहारी जी के भोग की झांकी के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन पहुंचे। गौरतलब है कि पांच दिवसीय श्री निंबार्क जयंती महोत्सव के तहत श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर में नित्य प्रति उत्सव चल रहे हैं। इस अवसर पर श्री निम्बार्क कृष्ण बिहारी मंदिर हीरापुरा के साथ-साथ बाबा श्री सुखदेव दास आश्रम नायला और सेवाकुंज आश्रम, जगतपुरा सहित सभी निंबार्क वैष्णव जनों के घर-घर में बधाई गान और उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 30 नवंबर को श्री श्रीजी महाराज निम्बार्क तीर्थ, सलेमाबाद के नेतृत्व में जयपुर में श्री आनंद कृष्ण बिहारी मंदिर से भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। तत्पश्चात संध्या काल में मंदिर परिसर में महाराज श्री के प्रवचनों के साथ संत समागम का आयोजन किया गया है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com